बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–**cm-11**
04/01/2021

मुख्यमंत्री ने की आत्मनिर्भर बिहार के सात निश्चय– 2 के अंतर्गत 'सुलभ संपर्कता' योजना की समीक्षा

मुख्यमंत्री के निर्देश–

- राज्य में सुलभ संपर्कता हेतु शहरी क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार बाईपासों एवं फ्लाईओवरों के निर्माण के लिए कार्य योजना बनाकर तेजी से काम करें।

- पथों का रखरखाव विभाग के इंजीनियरिंग विंग के द्वारा कराया जाय, इससे सड़कों की गुणवत्ता बनी रहेगी।

पटना, 04 जनवरी 2021 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित 'संवाद' में आत्मनिर्भर बिहार के सात निश्चय–2 (2020–25) के अंतर्गत सुशासन के कार्यक्रम 'सुलभ संपर्कता' योजना की समीक्षा बैठक की।

पथ निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री अमृत लाल मीणा ने 'सुलभ संपर्कता' योजना से संबंधित एक प्रस्तुतीकरण दिया। प्रस्तुतीकरण में शहरी क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार बाईपास अथवा फ्लाईओवरों के निर्माण के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। राज्य के सभी 38 जिलों में पथवार अध्ययन कर जाम लगने वाले स्थानों का चयन, जिलावार अनुशंसित बाईपासों की संख्या तथा उनकी कुल लंबाई के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। प्रस्तुतीकरण में बताया गया कि ग्रामीण कार्य विभाग तथा नगर निकायों के वैसे पथों को भी चिन्हित किया गया है, जिन्हें बाईपास के रुप में विकसित किया जा सकेगा। अपर मुख्य सचिव श्री अमृत लाल मीणा ने पथ निर्माण विभाग से संबंधित प्रस्तावित एम्स–नौबतपुर की सहायक टू–लेन सड़क का निर्माण, ओ0पी0आर0एम0सी0–2 (आउटपुट एण्ड परफॉरमेंस बेस्ड रोड एसेट्स मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट), रोड ओवरब्रिज (आर0ओ0बी0), प्रस्तावित दानापुर कैंट बाईपास एवं पथ निर्माण विभाग के अन्य कार्यों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में सुलभ संपर्कता हेतु शहरी क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार बाईपासों एवं फ्लाईओवरों के निर्माण के लिए कार्ययोजना बनाकर तेजी से काम करें। शहर के अंदर भी फ्लाईओवर के निर्माण के लिए आकलन कर उस पर कार्य करें। उन्होंने कहा कि इससे यातायात सुगम होगा और लोगों को जाम से निजात मिलेगा। साथ ही समय की भी बचत होगी। बाईपास पथों के चयन में इस बात का ध्यान रखें कि भूमि अधिग्रहण कम से कम हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पथों का रखरखाव विभाग के माध्यम से ही हो। विभाग के इंजीनियरिंग विंग के लोग इस कार्य को बेहतर ढंग से करेंगे, जिससे सड़कों की गुणवत्ता बनी रहेगी। स्मूथ ट्रैफिक, लोगों की सुरक्षा एवं हित को ध्यान में रखते हुए रेलवेलाइनों पर आर0ओ0बी0 (रोड ओवरब्रिज) के निर्माण कार्य तेजी से कराया जाय।

बैठक में उप मुख्यमंत्री श्रीमती रेणु देवी, पथ निर्माण मंत्री श्री मंगल पांडेय, मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार, पथ निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री अमृत लाल मीणा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, बिहार राज्य पथ विकास निगम के प्रबंध निदेशक श्री पंकज कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक श्री जीतेन्द्र श्रीवास्तव, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, पथ निर्माण विभाग की संयुक्त सचिव श्रीमती शैलजा शर्मा सहित अन्य वरीय अधिकारीगण एवं अभियंतागण उपस्थित थे।

******